सोनाक्षी ने सिनेमा को लेकर रखी बेबाक राय

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि फिल्में सिर्फ समाज सुधारने के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं. उनका मानना है कि सही-गलत की शिक्षा घर और स्कूल से मिलनी चाहिए.

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'सिस्टम' रिलीज के लिए तैयार है. इस बीच प्रमोशन में व्यस्त सोनाक्षी ने सिनेमा के उद्देश्य पर बात की. उन्होंने बताया कि फिल्मों का एकमात्र मकसद समाज में बदलाव लाना नहीं है. फिल्में सिर्फ समाज सुधारने के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं.

सोनाक्षी का मानना है कि फिल्में मुख्य रूप से मनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं और नैतिक शिक्षा देना फिल्म मेकर्स का काम नहीं है. सोनाक्षी ने कहा कि मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि फिल्मों को सिर्फ समाज को सही रास्ते पर लाने का जरिया माना जाए. फिल्में मनोरंजन के लिए भी बनाई जाती हैं. सही और गलत की शिक्षा हमें अपने माता-पिता और स्कूल से मिलनी चाहिए. यह एक्टर्स या फिल्म मेकर्स काम नहीं है.

सोनाक्षी ने बताया कि आज हम एक वकील की कहानी बनाएंगे, कल हम एक सीरियल किलर की कहानी बना सकते हैं. इसका यह मतलब नहीं है कि लोग जाकर दूसरों को मारना शुरू कर दें. नैतिक मूल्य और सिद्धांत घर पर सिखाए जाते हैं. यह सिखाना हमारा काम नहीं है. फिल्मों में 12, 16 या 18 साल के दर्शकों के लिए उम्र के हिसाब से रेटिंग्स होती हैं. दर्शक खुद सही और गलत के बीच फर्क समझने में सक्षम हैं.सोनाक्षी ने आगे बताया कि कई बार फिल्मों को लेकर बड़ी बहस छिड़ जाती है कि यह गलत है, इसे दिखाना नहीं चाहिए. माफ कीजिए, लेकिन फिल्म एक कहानी है. दर्शकों को फिल्म को मनोरंजन के तौर पर देखना चाहिए.

आखिरकार यह सिर्फ एक कहानी होती है. समाज का आईना होती है. फिल्में अक्सर असल जिंदगी की घटनाओं या सच्ची कहानियों पर आधारित होती हैं. सोनाक्षी ने कहा कि अगर कोई फिल्म 'सिस्टम' की तरह दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दे तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर फिल्म समाज सुधारने की जिम्मेदारी ले.

सैयामी खेर ने विक्रम फडनीस की फिल्म की शूटिंग पूरी की

अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्ममेकर विक्रम फडनीस की आगामी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी करने पर इंस्टाग्राम पर एक भावुक और बेहद निजी नोट साझा किया है. इस फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

अपने इस सफर को याद करते हुए सैयामी ने आभार जताया कि उन्हें एक बार फिर ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला जो कहानी का मजबूत और अहम हिस्सा है. उन्होंने इस फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया. भावनात्मक और परफॉर्मेंस आधारित फिल्मों को चुनने के लिए पहचानी जाने वाली सैयामी ने विक्रम फडनीस की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सेट पर बेहद स्नेह, ईमानदारी और अपनापन भरा माहौल बनाया.

इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए सैयामी ने लिखा, 'यह पोस्ट काफी समय से लंबित थी... लेकिन कुछ अनुभवों को शब्दों में ढालने में वक्त लगता है :) एक कलाकार के तौर पर हम अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा ऐसे किरदारों की तलाश में बिताते हैं जो हमें भीतर तक छू जाएं, हमें चुनौती दें और फिल्म खत्म होने के बाद भी हमारे साथ बने रहें.

जनवरी में रिलीज होगी अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी'

अनीत पड्डा स्टारर हॉरर फिल्म 'शक्ति शालिनी' की रिलीज डेट बदल दी गई है. अब यह फिल्म शाहरुख खान की 'किंग' के साथ क्लैश नहीं करेगी और जनवरी 2027 में रिलीज हो सकती है.

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'किंग' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि मैडॉक फिल्म्स की हॉरर थ्रिलर 'शक्ति शालिनी' अब 'किंग' के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने नहीं जा रही है. पहले यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदलने का फैसला लिया है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'शक्ति शालिनी' की नई रिलीज डेट जनवरी 2027 में तय की जा सकती है. हालांकि, अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. फिल्म के निर्माता नहीं चाहते थे कि 'शक्ति शालिनी' जैसी हॉरर फिल्म का मुकाबला शाहरुख खान की बिग बजट एक्शन फिल्म 'किंग' से हो. 'किंग' को लेकर पहले से ही जबरदस्त हाइप बना हुआ है और मेकर्स बॉक्स ऑफिस पर किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते. आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल में नजर आएंगी. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में उनका डबल रोल देखने को मिलेगा. फिल्म के टाइटल के अनुसार अनीत 'शक्ति' और 'शालिनी' नाम के दो अलग-अलग किरदार निभाती दिखाई देंगी. एक किरदार अच्छाई और रक्षा का प्रतीक होगा, जबकि दूसरा डर और बुरी शक्तियों का चेहरा बनेगा.

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का धमाकेदार टाइटल ट्रैक

जंगली म्यूज़िक (टाइम्स म्यूज़िक का एक डिविज़न) ने बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का टाइटल ट्रैक रिलीज़ कर दिया है. इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल 'वेलकम टू द जंगल' ने अपने इस धमाकेदार ट्रैक के साथ शानदार अंदाज़ में एंट्री कर ली है.

फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता और कई

बड़े सितारे नज़र आने वाले हैं. इतनी बड़ी स्टारकास्ट के साथ यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे भव्य एंटरटेनर फिल्मों में से एक मानी जा रही है, और इसका म्यूज़िक भी उसी स्तर का बनाया गया है.

टाइटल ट्रैक को पहले साजिद-वाजिद ने कंपोज़ किया था, जिसे अब विक्रम मोंट्रोस ने नए अंदाज़ में रीक्रिएट किया है. यह गाना पूरी तरह से हाई-एनर्जी, मस्ती और बड़े पर्दे वाले मनोरंजन से भरपूर है. शान, प्रिया पाटीदार और खुद विक्रम मोंट्रोस की दमदार आवाज़ों ने इसे और खास बना दिया है. गाने में शब्बीर अहमद के ओरिजिनल लिरिक्स के साथ मेघा बाली के नए बोल जोड़े गए हैं, जो इसे एक ऐसा एंथम बनाते हैं जिसे सुनते ही माहौल बन जाए. फिल्म का पूरा साउंडट्रैक छह बड़े और भव्य गानों से सजा है.

वीर पहाड़िया एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में निभाएंगे लीड रोल

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं. इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे. वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है.

माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे. इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है. मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है.

सूत्रों के अनुसार , वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे. कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा. माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो.

हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है. वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं.

फिलहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है. वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है.

'हाथरस - 16 दिन' का रोमांचक ट्रेलर जारी

ओरिजिनल इन्वेस्टिगेटिव डॉक्यू-सीरीज़ 'हाथरस 16 दिन' का ट्रेलर जारी कर दिया है. यह सीरीज़ भारत के सबसे भयावह और चर्चित बलात्कार मामलों में से एक की गहन पड़ताल करती है, जिसने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, निर्देशक पैट्रिक ग्राहम द्वारा बनाई गई यह सीरीज़ 2020 के हाथरस हादसे के बाद के उन 16 दिनों की भयावह यात्रा को दिखाती है, जिसमें जाति, लैंगिक भेदभाव, संस्थागत चुप्पी और सच्चाई की लगातार चलती खोज के जटिल पहलुओं को उजागर किया गया है.

ग्रामीण उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित डॉक्यूबे ओरिजिनल हाथरस 16 दिन का प्रीमियर 15 मई 2026 को हुआ .

21 वर्ष बाद सचिन खेड़ेकर की स्टेज पर होगी वापसी

समकालीन भारतीय थिएटर के चर्चित नाटक 'भूमिका' को मुंबई यूनिवर्सिटी के बी.ए. पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है. लेखक क्षितिज पटवर्धन के इस चर्चित नाटक ने न केवल रंगमंच पर बड़ी सफलता हासिल की है, बल्कि अब अकादमिक जगत में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली है.

21 वर्ष बाद अभिनेता सचिन खेड़ेकर की दमदार स्टेज वापसी वाले इस नाटक का निर्देशन चंद्रकांत कुलकर्णी ने किया है. 'भूमिका' एक अभिनेता की जिंदगी के मनोवैज्ञानिक संघर्षों और असलियत तथा अभिनय के बीच की धुंधली होती रेखा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है.

मराठी बोर्ड ऑफ स्टडीज़ द्वारा इसे पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने को आधुनिक मराठी रंगमंच के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है. यह नाटक इंसानियत, तर्क और ईमानदारी जैसे मूल्यों को केंद्र में रखता है, जिसके कारण इसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों की सराहना मिली है.

'भूमिका' को मास्टर दीनानाथ मंगेशकर सम्मान सहित 15 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं. इसके पुस्तक विमोचन समारोह में प्रसिद्ध गीतकार जावेद

अख्तर भी मौजूद रहे थे.

देश के कई चर्चित व्यक्तित्वों ने इस नाटक की प्रशंसा की है. फिल्म निर्देशक आशुतोष गोवारिकर ने इसे 'क्लासिक' बताया, जबकि अभिनेता परेश रावल ने इसे आधुनिक मराठी थिएटर की ताकत का प्रतीक कहा.

सिर्फ एक वर्ष में 125 से अधिक शो पूरे कर चुके 'भूमिका' का विशेष मंचन 22 मई 2026 को नीता मुकेश अम्बानी कल्चरल सेंटर के ग्रैंड थिएटर में किया जाएगा.

चैनल्स में जी टीवी का दबदबा

ज़ी टीवी ने हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल्स यानी जीईसी स्पेस में एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित कर दी है . चैनल के दो लोकप्रिय फिक्शन शोज़ 'वसुधा' और 'गंगा माई की बेटियां' इस वक्त टेलीविजन के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शोज़ में शामिल हैं . जहां 'वसुधा' लगातार दूसरे हफ्ते 2 .0 टीवीआर के साथ नंबर 1 की पोजिशन पर बना हुआ है, वहीं 'गंगा माई की बेटियां' ने भी 1 .7 टीवीआर के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत जगह बनाई है . यह साफ दिखाता है कि दर्शक ज़ी टीवी की कहानियों और किरदारों से लगातार जुड़ रहे हैं और उन्हें भरपूर प्यार दे रहे हैं . इसी बीच ज़ी टीवी के 'तुम से तुम तक' में भी जल्द एक बड़ा शादी वाला ट्रैक आने वाला है, जो कहानी में एक और बड़ा टिवस्ट लेकर आएगा . दर्शक इन कहानियों और किरदारों से गहराई से जुड़ चुके हैं और आने वाले हफ्तों में टीआरपी और दर्शकों की पसंद में और भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिससे टीवी की दुनिया में मुकाबला और दिलचस्प होने वाला है . 'वसुधा' में वसुधा का किरदार निभा रहीं प्रिया ठाकुर कहती हैं, 'वसुधा को जो प्यार मिल रहा है, वह हमारे लिए बहुत खास है, क्योंकि दर्शकों ने शो और किरदारों की यात्रा से बहुत गहरा जुड़ाव महसूस किया है . यह सच में किसी सपने जैसा लगता है कि 'वसुधा' देश के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शोज़ में शामिल है .

ऑटोमोबाइल

टू-व्हीलर स्टंट्स पर लगाम लगाने की तैयारी

भारत सरकार देश में दोपहिया वाहनों के लिए एक तीन-परत (थ्री-लेयर) वाले 'हैंड्स-फ्री' सुरक्षा सिस्टम को अनिवार्य करने की योजना बना रही है. इस नए नियम के तहत वाहन निर्माताओं को गाड़ियों में ऐसी तकनीक इंस्टॉल करनी होगी, जो यह पहचान सके कि राइडर के दोनों हाथ हैंडल पर हैं या नहीं. अगर राइडर के हाथ हैंडल पर नहीं होंगे, तो यह सिस्टम खुद-ब-खुद काम करना शुरू कर देगा. मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में यह जानकारी समाने आई है. यह कदम देश में हर साल होने वाले सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उठाया जा रहा है. जिनमें से ज्यादातर दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन शामिल होते हैं

भारत में युवाओं द्वारा तेज रफ्तार से बिना हैंडल पकड़े मोटरसाइकिल या स्कूटर चलाना और स्टंट करना एक आम नजारा बन चुका है. यह व्यवहार न केवल खुद राइडर्स के लिए बल्कि अन्य वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है. सरकार इस नए सिस्टम के जरिए इसी खतरनाक ड्राइविंग व्यवहार पर रोक लगाना चाहती है.

यह नई सुरक्षा तकनीक कैसे काम करेगी?- मसौदा प्रस्ताव के मुताबिक, प्रस्तावित सुरक्षा मानकों के तहत इंस्टॉल की जाने वाली तकनीक तीन परतों (लेयर्स) में काम करेगी. ताकि चालक बिना हैंडल पकड़े गाड़ी न चला सके. इसके लिए वाहनों को तीन टेस्ट पास करने होंगे:

पहली परत (इग्निशन ब्लॉक): यह सिस्टम सुनिश्चित करेगा कि जब तक राइडर के दोनों हाथ हैंडल पर ठीक से नहीं होंगे, तब तक मोटरसाइकिल या स्कूटर स्टार्ट (इग्निशन) ही नहीं होगा. हैंडल पर लगे सेंसर हाथों की स्थिति को डिटेक्ट करेंगे.

नई किआ सोनेट टेस्टिंग के दौरान आई नजर

नई जनरेशन किआ सोनेट का कवर से ढका टेस्ट मॉडल मौजूदा सोनेट से काफी बोल्ड लग रहा है. यह किआ की नई डिजाइन पर बनी हुई ज्यादा लग रही है, जिसकी झलक हमें नई सेल्टोस में भी देखने को मिली है.

आगे से यह चौड़ी और ज्यादा ऊंची लग रही है. इसकी ग्रिल बड़ी और ज्यादा रेक्टेंगुलर है, जबकि मौजूदा मॉडल में छोटी टाइगर-नोज ग्रिल दी गई है. पतले लाइटिंग एलिमेंट्स से पता चलता है कि इसमें नया स्प्लिट हेडलैंप सेटअप मिलेगा, जिसमें ऊपर की तरफ पतले एलईडी डीआरएल और मेन हेडलैंप बंपर में नीचे की तरफ लगा है.

आगे वाला बंपर भी नया और ज्यादा दमदार है. साइड से यह पहले से ज्यादा बॉक्सी लगती है, इसके लिए इसमें ज्यादा सीधी रूफलाइन और ऊची विंडो दी गई है, जिससे पीछे वाले पैसेंजर को ज्यादा हेडरूम मिलता है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्टिंग के दौरान देखी गई यूनिट पूरी तरह से ढंकी हुई थी. लेकिन इसके डिजाइन और कुछ फीचर्स की जानकारी मिल गई है. एक बार फिर से देखी गई एसयूवी की नई जेनरेशन में नए डिजाइन वाले फ्रंट और रियर बंपर, स्प्लिट हेड लाइट्स, एलईडी लाइट, नई ग्रिल, नए डिजाइन वाले अलॉय व्?हील?स को दिया जा सकता है. इसके साथ ही इसके रियर में भी नए टेलगेट के साथ ही नई टेल लाइट्स, बंपर को दिया जाएगा.

कितना दमदार इंजन- किआ की ओर से नई जेनरेशन सोनेट को पेट्रोल और डीजल इंजन के वही विकल?प दिए जाएंगे जो मौजूदा जेनरेशन में ऑफर किए जा रहे हैं. कुछ समय के बाद निर्माता की ओर से इस एसयूवी को हाइब्रिड इंजन के साथ भी ऑफर किया जा सकता है.

कब होगी लॉन्च निर्माता की ओर से एसयूवी की नई जेनरेशन के लॉन्च को लेकर कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है. लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे भारत में 2026 के आखिर या 2027 तक लॉन्च किया जा सकता है.

गर्मियों में अपनी कार का रखें खास ख्याल

गर्मियों के मौसम में तेज धूप, बढ़ते तापमान और गर्म सड़कें आपकी कार के लिए कई तरह की परेशानियों का कारण बन सकती हैं. अगर इस मौसम में वाहन का सही रख-रखाव न किया जाए, तो इंजन, टायर, सिस्टम और पेंट पर असर पड़ सकता है. लेकिन थोड़ी सावधानी और समय पर सर्विसिंग से आप अपनी कार की उम्र बढ़ा सकते हैं और गर्मी में ड्राइविंग को आरामदायक बना सकते हैं.

पेंट की सुरक्षा- गर्मी में सूरज की किरणें कार के पेंट और मेटल पर नुकसान पहुंचा सकती हैं. ऐसे में गाड़ी पर पॉलिश की एक लेयर लगाना फायदेमंद रहता है. इससे न सिर्फ पेंट सुरक्षित रहता है, बल्कि मेटल के पैनल्स की उम्र भी बढ़ती है. यदि कार को लंबे समय तक धूप में पार्क करना पड़ रहा है, तो यह उपाय और भी जरूरी हो जाता है.

रबड़ पार्ट्स का ध्यान- विंडो चैनल्स और दरवाजों के रबड़ पार्ट्स गर्मियों में जल्दी सूख सकते हैं. यह पानी की निकासी में समस्या पैदा कर सकते हैं और सफाई में भी मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं. इसलिए इन्हें समय-समय पर चेक करें और अगर सूखापन या दरारें दिखें तो उपयुक्त तरीके से मेंटेन करें.

टायरों की देखभाल- गर्मी के मौसम में टायरों में दरारें पड़ सकती हैं, जो सड़क पर सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं. आम तौर पर यदि टायर 5 साल या 40,000 किलोमीटर से अधिक इस्तेमाल हो चुके हैं तो उन्हें बदलना चाहिए. इसके अलावा, टायर की ट्रेड की गहराई कम से कम 1.6 मिमी होनी चाहिए ताकि सड़क पर पकड़ बनी रहे.

महंगे फ्यूल के जमाने में ये कारें हैं मिडिल क्लास के लिए वरदान

भारत में पेट्रोल की कीमत एक बार फिर से बढ़ गई है. अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत में तीन रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है. जिसके बाद अब लोग फिर से ऐसी कारों को पसंद कर रहे हैं जिनकी माइलेज सबसे ज्यादा है. ऐसी कौन सी पांच बेहतरीन कारें हैं, जो कम कीमत के साथ ज्यादा माइलेज ऑफर करती हैं. हम आपको इस खबर में बता रहे हैं.

मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में स्विफ्ट को ऑफर किया जाता है. निर्माता की ओर से ऑफर की जाने वाली यह कार सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली कारों में शामिल है. इस कार को एआइआई के मुताबिक एक लीटर पेट्रोल में 25.75 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है. यह माइलेज के इसके एएमटी वेरिएंट से मिलती है. मैनुअल वेरिएंट के साथ यह 24.8 किलोमीटर तक की माइलेज दे सकती है.

मारुति सेलेरियो - मारुति की ओर से सेलेरियो को भी हैचबैक सेगमेंट में ही ऑफर किया जाता है. इस कार को भी पेट्रोल के साथ सीएनजी में भी ऑफर किया जाता है. माइलेज के लिए यह कार भी काफी लोगों की पसंदीदा

कार है. इसे एक लीटर में 26 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है. यह माइलेज इसके मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ मिलती है.

होंडा सिटी - होंडा की ओर से मिड साइज सेडान कार के तौर पर सिटी की बिक्री की जाती है. इस कार को स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक के साथ भी ऑफर किया जाता है. अगर आपको ज्यादा माइलेज और आराम के साथ कार चाहिए तो होंडा सिटी का हाइब्रिड वर्जन आपको एक लीटर पेट्रोल में 27.26 किलोमीटर तक की माइलेज दे सकता है.

टोयोटा हाइराइडर - टोयोटा की ओर से भारत में हाइराइडर की बिक्री की जाती है. मिड साइज सेगमेंट की इस एसयूवी को हाइब्रिड तकनीक के साथ भी ऑफर किया जाता है. जिससे इसको एक लीटर पेट्रोल में 27.97 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है.

मारुति विक्टोरिस - मारुति की ओर से 2025 में ही विक्टोरिस को लॉन्च किया गया है. इस एसयूवी से एक लीटर पेट्रोल में 28.65 किलोमीटर तक की माइलेज मिल सकती है. यह माइलेज इसके हाइब्रिड वेरिएंट से मिल सकती है.